शास्त्री भवन, गाई विलासी
दिनांक: 01 मार्च, 2019

लेख में,
1. भारत सरकार के सभी सचिव।
2. सभी राज्य सरकारें/शंघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।
3. सभी राज्य सरकारें/शंघ शासित प्रदेशों के विषय सचिव।
4. सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/संस-विश्वविद्यालयों के कुलपति।
5. संसाधन प्रबन्ध-पत्र प्राप्त करने वाले सभी व्यक्ति।
6. अंद्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और ओड़िशा राज्य विश्वविद्यालयों के सभी युवा प्रोफेसर।

विचार: वर्ष 2019 हेतु संस्कृत, पाली, ग्राम्योत्सव की अगाधत विश्वविद्यालयों के क्षेत्र में भाषाओं के उद्घाटन की समस्त प्रभावित पुस्तकार विभागों के क्षेत्र में गहरा कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बदलाव व्यास संसाधन प्रबन्ध करने के लिए संबंधित में सफारियों।

महोदय,

संस्कृत, अर्थ और फारसी भाषाओं के विद्वानों को समाधान प्रदान करने के लिए संसाधन प्रबन्ध पुस्तकार योजना को 1958 में शुरू किया गया था। इस योजना में पाली/पश्चिम युवा शामिल कर नंबर 1996 में इसका विस्तार किया गया था। संस्कृत, अर्थी, फारसी, पाली/पश्चिम भाषाओं के क्षेत्र में विशिष्ट योजना देकर वाले 60 से अधिक युवा के प्रस्ताव प्रवर्तन को सम्बन्ध प्रकाशित किया जाता है। इस योजना में पाली या पश्चिम भाषा के एक विद्वान को उस वर्ष के लिए एक समाधान प्रबन्ध पत्र देना शामिल है। इसके अलावा, इस योजना में संस्कृत, पाली, पश्चिम, अर्थी और फारसी भाषा के क्षेत्र में 30 से 45 आयु वर्ग के युवा विद्वानों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव व्यास संसाधन प्रबन्ध करने का भी महत्वपूर्ण है।

2. इसके अलावा, वर्ष 2016 से चार शास्त्रीय भाषाओं अर्थात शास्त्रीय उद्धि, शास्त्रीय कला, शास्त्रीय संगीत और शास्त्रीय ज्यांतर ज्यांतर में 32 पुस्तकार (प्रदेश के लिए आई) की पुस्तक युवा लिखी है। ये जीवनमर्यादा उपलब्ध पुस्तकार भारत से प्रवर्तित की जाने वाले और विशेष (विद्याओं अंतर्गत के युवा संसाधन प्रबन्ध) वाले भाषाओं में तीन विद्वानों को प्रदान किया जाता है।

3. इस संबंध में कहा गया है कि एक प्रबन्ध पत्र, एक शॉट और एक बार जोड़ पुस्तकार जैसा जो योग्य उल्लिखित है, पुस्तकार प्राप्तकर्ता को प्रबन्ध किया जाता है।
   i) संसाधन पुस्तकार प्रबन्ध के लिये प्रत्येक को 5 लाख रुपये
   ii) आर्थिक उपलब्धि (अंतर्गतीय पुस्तकारों की लिखने प्रत्येक को 5 लाख रुपये
   iii) महत्वपूर्ण बदलाव व्यास संसाधन पुस्तकार के लिये प्रत्येक को 1 लाख रुपये

4. अंत: निरंतर लिखित के लिये नामांकन आयोजित किया जाता है।

-1-
<table>
<thead>
<tr>
<th>सं.</th>
<th>भाषा</th>
<th>पुरस्कार विवरण</th>
</tr>
</thead>
</table>
| 1.  | संस्कृत (खण्ड 21) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 15 पुरस्कार ।
|     |       | (ख) सम्मान प्रदान पद - प्रवासी भारतीय या जगर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 01 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार ।
|     |       | (ग) महर्षि बादरायण व्यास सम्मान - 01 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 5 पुरस्कार ।  
| 2   | पाली (खण्ड 2) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 1 पुरस्कार ।
|     |       | (ख) महर्षि बादरायण व्यास सम्मान - 1.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 1 पुरस्कार ।
| 3   | प्राचीन (खण्ड 2) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 1 पुरस्कार ।
|     |       | (ख) महर्षि बादरायण व्यास सम्मान - 1.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 1 पुरस्कार ।
| 4   | फारसी (खण्ड 4) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 3 पुरस्कार ।
|     |       | (ख) महर्षि बादरायण व्यास सम्मान - 1.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 1 पुरस्कार ।
| 5   | अरबी (खण्ड 4) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 3 पुरस्कार ।
|     |       | (ख) महर्षि बादरायण व्यास सम्मान - 1.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 1 पुरस्कार ।
| 6   | शास्त्रीय कविता (खण्ड 8) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 15 पुरस्कार ।
|     |       | (ख) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान का 2 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और जगर भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक-एक) ।
|     |       | (ग) महर्षि बादरायण व्यास सम्मान - 1.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 5 पुरस्कार ।
| 7   | शास्त्रीय स्नेह (खण्ड 8) | (क) सम्मान प्रदान पद - 5.00 लाख रुपए एक बालिका नकद अनुदान के 15 पुरस्कार ।
<table>
<thead>
<tr>
<th>8</th>
<th>शास्त्रीय मलयालम (कुल 8)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>(क)</td>
<td>सम्मान प्रमाण पत्र - 5.00 लाख रूपए एक बारी बचत अनुदान का 2 अंतरालीय पुरस्कार (भारतीय और जीरो भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक-एक)</td>
</tr>
<tr>
<td>(ख)</td>
<td>महर्षिवं बादरायण यात्रा सम्मान - 1.00 लाख रूपए एक बारी जवाद अनुदान के 5 पुरस्कार</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>9</th>
<th>शास्त्रीय उद्धव्या (कुल 8)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>(क)</td>
<td>सम्मान प्रमाण पत्र - 5.00 लाख रूपए एक बारी बचत अनुदान के 15 पुरस्कार</td>
</tr>
<tr>
<td>(ख)</td>
<td>सम्मान प्रमाण पत्र - 5.00 लाख रूपए एक बारी बचत अनुदान का 2 अंतरालीय पुरस्कार (भारतीय और जीरो भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए एक-एक)</td>
</tr>
<tr>
<td>(ग)</td>
<td>महर्षिवं बादरायण यात्रा सम्मान - 1.00 लाख रूपए एक बारी जवाद अनुदान के 5 पुरस्कार</td>
</tr>
</tbody>
</table>

5. तदवस्तुर अत्याव्रोध है कि संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, हिन्दी, शास्त्रीय उद्धव्या, शास्त्रीय कलाव, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम के केवल उन्हीं प्रतिष्ठित विद्वानों को नामांकन करें जिनको पारा शिक्षा अनुभव हो, उनकी रचनाएं प्रकाशित हुई हों, प्रकाशित पुस्तकें/नीलें की संख्या, अनुसंधान कार्य तथा जिन्हें परराष्ट्रीय संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, हिन्दी, शास्त्रीय उद्धव्या, शास्त्रीय कलाव, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम के अध्ययन को जीवंत बनाए रखा।

6. इन शास्त्रीय भाषाओं के तहत विचार करने के लिए यह पुनर्विशेष विद्वान जाएं कि पुरस्कार के लिए आवेदकों से भाषाओं के शास्त्रीय पाठों और भाषा के शास्त्रीय चरण के विवरण में कार्य किया हो, यहाँ उन्हें कार्य भाषा के आधुनिक रूप में ही उपयोग किया हो।

7. महर्षिवं बादरायण यात्रा सम्मान पेश किए विद्वानों की नामांकन करें साथ उन्हीं युवा विद्वानों की नामांकन करें जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में उपलब्ध हासिल की है, जिनमें आधुनिकताएं परततता के बीच तालमेल विचारों की प्रक्रिया में संस्कृत अथवा प्राचीन भारतीय विद्वानों एवं इन भाषाओं में विचार को बढ़ावा देने के कार्य में लगे वैज्ञानिक तथा स्थानांतरित वैज्ञानिक पेशेवरों का योगदान शामिल है।

8. विद्वानों में उस विशिष्ट उपलब्धि का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए जिसके लिए पुरस्कार की विद्वानों की जाती है और इन्हें विचार के "विशेष एवं पूर्वपुरुष प्रमाण पत्र" के साथ संलग्न प्रस्तुत में 30 अप्रैल, 2019 तक संबंधित कार्य को भेज देना चाहिए। अनूसूची विद्वानों और अंतरराष्ट्रीय के बाद प्राप्त विद्वानों पर विचार करता समय नहीं होगा। विद्वानों करने समय, पुरस्कार प्राप्तकर्ता
9. पुरुषकार प्रदान करने के लिए अनुशसित विद्यार्थी से संबंधित जालकारी संकल्प प्रमाण में प्रतिष्ठा की जाती है। विद्यार्थी जालकारी के अभाव में इस सिफारिस पर संचालित विचार करने में कठिनाई आती है। अतः अनुरोध है कि प्राप्त के प्रथम कालिंग में विद्युत विरहन भरकर भेजें।

10. यह भी अनुरोध है कि अनुशंसा करने से पूर्व, राज्य सरकार आदि इस प्रयोजनार्थ उन व्यक्तियों से संवाद जालकारी का साधारणपूर्वक महत्त्व प्रदान करें। राज्यों द्वारा विद्यार्थियों के प्रारंभिक प्रयोजन विशेष वर्गीकरण संबंधित का गठन करने पर आपरि नहीं हो। यदि पुरुषकार के लिए सिफारिसों के योग्य कोई उच्चतम विचार नहीं पाया जाता तो 'शून्य' सूचना भेजने की चुनौती करें। इस विचारों के जन्म विद्यार्थियों सिफारिस भेजने वर्तमान की गई या पहली उनका चयन नहीं हुआ था, उन्हें इस वर्तमान के पुरुषकार के लिए पुनःअनुशसित किया जा सकता है।

11. इस पुरुषकारों के लिए विद्यार्थी की अनुशंसा करने सामान्य इस साथ पर बन दिया जा कि पुरुषकार केवल उन्ही विद्यार्थी के लिए है जिन्हें अपनी-अपनी भाषाओं और संबंधित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में विद्युक्त हसिल है और ये पुरुषकार उन व्यक्तियों के लिए नहीं है जिन्हें इस भाषाओं में उच्चतम साहित्य का अनुशासन है। इस पर जोर दिया गया कि यह सभी अनुशंसा करने वाले प्राप्तिकारी कूप्तस्थता तथ्य का संबंध है कि विद्यार्थी जिन्हें सर्वाधिक प्रामाण्य के लिए अनुशशित किया गया है उनको अपनी भाषा में उच्चतम कार्य किया है। अन्य शब्दों में संकल्पित भाषा से संबंधित अनुशसित किया गया है, ने संकल्पित भाषा पर लिखने के बजाय संकल्पित भाषा में पुरुषकार लिखी/प्रकाशित किया है, अपना यह उद्देश्य ही रखा जाएगा जिसके लिए यह पुरुषकार प्रदान किया जाता है।

12. यह भी अनुरोध है कि जहां कहीं आवश्यक हो यहां अनुशंसा से पूर्व दिशविश्वासी/सार्वजनिक तथा अन्य स्वच्छन्द विचारिक सिफारिसों के आदि से गुणतः रूप से परभम्य ही कर दिया जाए।

13. यह पुरुषकार उन विद्यार्थी को नहीं दिया जाते जिन्होंने यह पुरुषकार पहले प्राप्त किया हो; या अन्यस्पष्टत नहीं दिया जाते; या उन व्यक्तियों को नहीं दिया जाते जिन्हें व्यक्तिगत रूप से स्पष्टकारा मानने में दोषी करके दिया जाय जा या उनके विचार व्यापारों में आपराधिक भावनाओं में लिखा हो। अतः सरकार को होने वाली किसी भी प्रफार की परेशानी में निचले के लिए उस किसी भी घटना, जो सार्वजनिक को पुरुषकार के लिए अनुशसित होती है, को यहां में तकनीक सरकार की सूचना करें और इस प्राप्त की घटनाओं की सूचना देने का एकमात्र दायित्व नामांकनकार का होगा।

14. यह वेधस्थण जाता है कि चयन सार्वजनिक सिफारिश उन्हीं नामांकनों पर विचार करती जो उन व्यक्तियों से प्राप्त होने जिन्हें यह प्रक्रिया सार्वजनिक है। जिसको यह प्रक्रिया सार्वजनिक उन्होंने अलग उस संगठन में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा भेजें गये नामांकन पर विचार नहीं किया जायेगा तथा उनका नामांकन सार्वजनिक कर दिया जाएगा।
15. अनुशंसा करनेवाले वातावरण में प्राधिकारियों के विशेष रूप से अनुरोध है कि व्यक्तिगत रूप से विद्यालयों के आवेदन पत्रों अथवा अनुरोधों पर विचार न करें और इस प्रकार इस पुरस्कार की गोपनीयता तथा गरिमा बनाए रखें। संबंधित विद्यालयों के बारे में संपूर्ण जालकारी/ब्यौरा अथवा ब्रोशर से सावधानीपूर्वक पुस्तकालय करके इस प्रकार एक जान की जाए ताकि विद्यालय इस बात से अलग रहें कि अनुशंसा के जान की अनुशंसा की जा रही है। अनुशंसा के साथ विद्यालय खारा स्वयं प्रस्तुत की गई सामग्री पर जो विचार करना चाहिए और जो ही उसे अनुरोध के लिए जाना जाए, विद्यालय खारा अपने बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी को छुपाना उनके लिए अहिल्यक होगा और इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

उप शैक्षिक सलाहकार (भाषा)

$
\text{भारतीय}$

$\text{(श्री के भारी)}$

डूबाई: 011-23380207

संलेखक: डॉ. येदियुल
1. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
2. विदेशव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, अरबीब्यों मार्ग, नई दिल्ली-16
3. विदेशव, राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, फरोजाह-ए-उर्दू, भवन, एफ सी-33/9, इन्स्टीट्यूट ऑफ शैनिंग, जसली, नई दिल्ली-110025.
4. विदेशव, एब.आई.पी.ए. एबोसी0ई0आरोटी0 परिसर, श्री अरबीब्यों मार्ग, नई दिल्ली
5. विदेशव, राष्ट्रीय पुस्तक व्यास, ए-5, प्रीज पार्क, नई दिल्ली-16
6. विदेशव, साहित्य अकादमी, 35, सिफिजलसह रोड, नई दिल्ली
7. विदेशव, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मानता गंगोत्री, हुजारत रोड, बैगुर-570006.
8. अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषावाली आयोग, वेस्ट ब्लॉक सं.VII, आर. के.पुरम, नई दिल्ली-110066
9. विदेशव, केन्द्रीय हिंदी विदेशव, वेस्ट ब्लॉक सं. VII, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066
10. विदेशव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा- 282005
11. विदेशव, केन्द्रीय शास्त्रीय तंत्रिक भाषा संस्थान, एलएमवी भवन, 100 पुलो रोड तालाबण्ड, चेन्नई-600113
12. विदेशव, राष्ट्रीय सिंची भाषा विकास परिषद , नई दिल्ली
13. सचिव, महाराष्ट्र सांस्कृतिक राष्ट्रीय वेद विद्यापीठ प्रतिष्ठान, उज्जैन, म.प्र.
14. राजस्थान, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
15. राजस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति
16. राजस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुरी, नई दिल्ली

(सी.मो.भारी)
उप शैक्षिक सचालक (भाषा)
हेडभाषा: 011-23380207
सिफारिशों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 30.04.2019

वर्ष 2019 के लिए राज्यपाल सम्मान प्रमाण पत्र पुरस्कार तथा महर्षि वादरायण व्यास सम्मान प्रदान करने के लिए सिफारिश करने हेतु प्रपत्र

संख्या पुरस्कार (कुपया मिशान लगाएँ)

<table>
<thead>
<tr>
<th>संख्या</th>
<th>प्रमाण पत्र</th>
<th>(60 वर्ष और इससे अधिक आयु के विद्वानों हेतु)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>महर्षि वादरायण व्यास सम्मान</td>
<td>(30 से 45 वर्ष आयु वालों के लिए विद्वानों हेतु)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

वह क्षेत्र जिसके लिए सिफारिश की जाए (कुपया मिशान लगाएँ)

<table>
<thead>
<tr>
<th>संख्या</th>
<th>पाली</th>
<th>प्राचीन</th>
<th>अरबी</th>
<th>फारसी</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>शास्त्रीय</td>
<td>शास्त्रीय</td>
<td>शास्त्रीय</td>
<td>शास्त्रीय</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>उद्घाटन</td>
<td>मलयालम</td>
<td>कन्नड</td>
<td>तेलगु</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

III पुरस्कार प्रदान करने की सिफारिश करने वाले प्राधिकारी का नाम (बड़े अक्षरों में)

यदि सिफारिश करने वाला प्राधिकारी सम्मान प्रमाण-पत्र से पुरस्कृत है, उस वर्ष का उल्लेख करें जिसमें उसे पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सिफारिश करने वाले प्राधिकारी का पदभास्म

मोबाइल नं., और ई-मेल सहित पूरा व्यक्ति पता

वर्ष 2019 के लिए सिफारिश (पुरस्कार हेतु सिफारिश किए गए अवस्था का अंदर)

1. पूरा नाम (अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में)

2. पूरा व्यक्ति पता

3. 1) जन्म तिथि : दिन महार वर्ष

3. 11) आयु : वर्ष महार
4. (क) अहंसाओं सहित विश्वविद्यालय का नाम, वर्ष और श्रेणी/विभाग

(ख) उस संख्या जिसने सेवा की है, के क्षैति सहित, धारित पद और सेवा की अवधि और अनुभव

(ग) विश्वविद्यालय का विवरण

(घ) परिप्रेक्ष्य विद्यार्थी के लिए (यदि लाभ हो)

(ङ) स्थान तथा अवधायण की अवधि तथा युक्ति के नाम

(च) उच्चतर अवधायण जिनमैं परीक्षारूपित विद्यार्थी के विश्वविद्यालय प्राप्त की हो

(छ) उन छात्रों की संख्या जिन्होंने उनसे शिशु प्राप्त की तथा उन्हें किस स्तर तक पहुँचा गया?

(प) विभिन्न/विभिन्न यदि कोई हो तथा परीक्षा आयोजित करने वाले विकार का नाम तथा वर्ष

5. (क) अवधायण की शाखाएँ

(ख) विकुट पत्ता में विशेषता

(ग) क्या भाषा का अवधायण किया है? यदि है, तो उल्लिखित की गई परीक्षा

6. प्रशासित पुस्तक/लेख

(क) विशेषता

(ख) सम्पादन

(ग) अनुवाद

7. छात्रों/शिक्षार्थी विद्यार्थी की संख्या जिन्हें आपके भाषाद्वार में पीएच.डी/डी. लिट आदि प्राप्त किया

8. पहले से प्राप्त

i) मान्यता/सम्मान मान्यता/सम्मान का नाम

ii) वर्ष

iii) प्रदान करने वाले प्रशिक्षक/संगठन का नाम

9. संबंधित भाषा को लोकप्रिय बनाने में विशेष योगदान का वरीयता
| 10. सभीलाल / यादी सभीलाल / वाद- विवाद / विवक्त सभा जिनमें भाग लिया हो, यदि कोई हो(स्थायी, शिक्षा तथा अध्ययनक का विषय और प्रस्तुत किए गए शोध पत्र) | : |
| 11. अंतर विषयक आध्ययनों में कोई उपलब्धि अवधा किया गया कार्य जिसके तहत आधुनिकता तथा परस्पर के बीच तात्त्विक बिंदुओं की प्रक्रिया में संस्कृत/परस्पर/अर्थी/पाली/प्राकृत अवधा शास्त्रीय उद्धित, शास्त्रीय कलाक शास्त्रीय तत्त्वगुण और शास्त्रीय महाविद्यालय अवधा प्राचीन भारतीय शास्त्र में योगदान शान्तित है। | : |
| 12. विषयों को पुस्तकार प्रवास करने के लिए अनुशीलन करने का यदि कोई विशेष कारण/संस्कृत और शास्त्रिय हो तो, तब तात्त्विक | : |

मैं यह भी प्रभावित करता हूँ, कि श्री/श्रीनाथी/युज्मारी ..................................................

..................................................

पुस्तकार प्रदान नहीं किया गया है जिसके लिए मैं उनके नाम की सिफारिश कर रहा हूँ।

..................................................

(पुस्तकार प्रदान करने की सिफारिश करने वाले प्राधिकरण के हस्ताक्षर)

मोड 1: सिफारिश उनहोंने प्राधिकारियों से प्राप्त की जाएगी जिसके यह पत्र रामभोजित किया है। इस पत्र के शीर्ष पर उल्लेखित प्राधिकारियों के अलावा यदि कोई विशेष नामांकन भेजता है, उस नामांकन पर विचार नहीं किया जाएगा तथा उनका नामांकन कर्त्ता दिया जाएगा।

मोड 2: नामांकन की सर्वोत्तम 5 पुस्तकें/प्रकाशन (अधिकतम) संयुक्त होंगे चाहिए अन्यवा सिफारिश पर विचार नहीं किया जाएगा। वचन प्रक्रिया के उपाधि पुस्तकें/प्रकाशन राशियां संयुक्त संस्कृत संस्कृत, नई दिल्ली के द्वारा लौटा दिया जाएगा।

मोड 3: # इस कोठार को विशेष रूप से शादियों अधिकतम तथा विषय विश्वसनीय अन्य विज्ञान पुस्तकों के लिए भरा जाएगा।

-9-
चरित्र तथा पूर्वचरित्र प्रमाणपत्र

मैं, .................................................. रायपुर/रायपुरी श्री..............................
.................................................. के कार्यवाही की है।

(यदि किसी व्यक्ति को पुरस्कार प्राप्त हुआ है, तब उक्त पुरस्कार वर्ष का उल्लेख करें)

पुरस्कार कार्य करता हूँ/करती हूँ कि मैं, श्री .................................................. रायपुर/रायपुरी.......................... की पिकड़..

यदि यह जानना/जाननी है तथा उनका अपने चरित्र अन्तिम है। उनके विरूद्ध कोई कानूनी स्थिति निष्कर्ष नहीं है और विभाग में उन्हें कभी भी दोपही कार्य/दंड नहीं दिया गया है।

मैं एलटैंटा यह शपथ लेता हूँ कि भविष्य में होने वाली ऐसी कोई घटना जो नामित को पुरस्कार के लिए अविवेक ठहरती है, की स्वर्णों को सूचना देंगा।

(..................................................)

सिफारिश करने वाले प्रधानमण्डल के हस्ताक्षर

पदाधिकार

..................................................

..................................................

स्थान:

लिखित: